न्यूज डायरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एयर इंडिया वन बनकर तैयार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा जमीन के साथ अब हवा में भी अभेद्य होने जा रही है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविद और पीएम नरेंद्र मोदी के लिए सुपरजेट एयर इंडिया वन अमेरिका में बनकर तैयार हो गया है। माना जा रहा है कि इसी महीने एयर इंडिया वन विमान को भारत को सौंप दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के इस सुपर जेट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरह से सुरक्षा उपाय किए गए हैं। यह एक तरह से हवा में उड़ते किले की तरह से है। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को ले जाने के लिए एयर इंडिया के दो बिल्कुल नए बोइंग 777–300 विमान को पिछले दिनों खरीदा गया था। इस विमान में सुरक्षा के लिहाज से अब काफी बदलाव किए गए। भारत ने देसी एयरफोर्स वन के लिए अमेरिका के साथ 1,300 करोड़ रुपये की डील की थी। इसके तहत दो सेल्फ प्रोटेक्शन सूट खरीदे गए हैं।

तीन ब्रिटिश युवकों ने फ्लॉयड की मौत का उड़ाया मजाक, अरेस्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। अमेरिकी अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की मौत पर विरोध की आग अमेरिका समेत दुनियाभर के कई देशों तक पहुंच चुकी है। लोग श्वेत–अश्वेत को लेकर होने वाले सामाजिक भेदभाव के खिलाफ सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं इस बीच कुछ लोग ऐसे भी हैं जो इतने संवेदनहीन हैं कि निर्दोष फ्लॉयड की मौत का मजाक उड़ा रहे हैं। लंदन के वाले ऐसे ही तीन ब्रिटिश युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, तीनों को समाज में नफरत फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। तीनों ने स्नैपचौट पर एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में तीनों फ्लॉयड की मौत की नकल करते दिख रहे हैं। इसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो गया और इसका विरोध किया जाने लगा। विरोध बढ़ता देख लंदन पुलिस ने केस दर्ज कर लिया और तीनों के सोशल मीडिया अकाउंट को बंद कर दिया गया।

देश में समान न्याय के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा: जॉर्ज डब्ल्यू बुश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ह्यूस्टन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने अफ्रीकी–अमेरिकी व्यक्ति की हिरासत में हत्या पर देश में चल रहे हिंसक प्रदर्शनों के बीच अमेरिकियों से देश की ''दुखद विफलताओं'' पर गौर करने और समान न्याय के लिए मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया। मिनियापोलिस में 25 मई को एक श्वेत पुलिस अधिकारी ने अपने घुटने से कुछ देर तक जॉर्ज फ्लॉयड की गर्दन दबाई थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। उसकी मौत के बाद अमेरिका में हिंसक प्रदर्शन शुरू हो गए जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 4000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया और अरबों डॉलर की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। जॉर्ज बुश ने कहा कि वह और उनकी पत्नी लॉरा ''अन्याय से परेशान हैं और हमें डर है कि यह हमारे देश को अस्थिर कर देगा।''

ट्रंप ने कहा– धरती की सबसे सुरक्षित जगह है वॉशिंगटन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अश्वेत अमेरिकी नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस हिरासत में मौत के बाद पूरे अमेरिका में लोगों में आक्रोश है। फ्लॉयड की मौत के बाद शुरू हुआ हिंसक प्रदर्शन राजधानी वॉशिंगटन डीसी समेत अमेरिका के 140 शहरों तक फैल गया है। जॉर्ज फ्लॉयड की मौत का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों ने रविवार को वाइट हाउस के सामने जमकर प्रदर्शन किया। हिंसा को रोकने के लिए 4 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और पूरे वॉशिंगटन में कर्फ्यू लगा दिया गया है। वॉशिंगटन के कुछ इलाकों में लूटपाट और आगजनी की भी खबरें आईं जिसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार शाम को ही भारी संख्या में मिलिट्री की तैनाती का फैसला किया था। कुछ ही घंटों में सेना ने मोर्चा भी संभाल लिया। इसके बाद राजधानी से हिंसा की कोई खबर सामने नहीं आई जिस पर राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्वीट कर लिखा, बीती रात वॉशिंगटन इस धरती का सबसे सुरक्षित स्थान था।

ताइवान पर कवरेज से भड़का चीनी ड्रैगन

भारतीय मीडिया पर गलतफहमी पैदा करने का लगाया आरोप

आरोप

■पश्चिमी ताकतें चाहती हैं कि भारत और चीन के बीच में कटुता बढ़े

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। लद्दाख में वास्ध्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय जमीन पर कब्ज्जा करने की फिराक लगा चीनी ड्रैगन ताइवान पर भारतीय मीडिया के कवरेज से भड़क उठा है। चीन के सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स ने आरोप लगाया है कि दो एशियाई महाशक्तियों चीन और भारत के बीच गलतफहमी पैदा करने में भारतीय मीडिया ने बड़ी भूमिका निभाई है। यही नहीं ड्रैगन ने भारतीयों को भी काफी भला–बुरा कहा।

ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि ऐसा तब हो रहा है, जब पश्चिमी ताकतें चाहती हैं कि भारत और चीन के बीच में कटुता बढ़े। ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि भारतीय मीडिया चीन की आलोचना करने का हमेशा मौका ढूढ़ता रहता है। 19 मई को भारतीय मीडिया में प्रकाशित एक खबर में ताइवान के विश्व स्वास्थ्य सभा में

शामिल होने मांग के भारत के समर्थन करने अपील की गई। यह चीन की एक चीन नीति के खिलाफ है।

चीनी प्रोपेगेंडा समाचार पत्र ने कहा कि भारतीय मीडिया चीन पर कड़ी नजर रखता है। भारतीय मीडिया का मानना है कि दक्षिण एशिया में चीन का हरेक कदम भारत के खिलाफ साजिश है। साथ ही चीन के कदमों का भारत के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय रूख पर असर पड़ेगा। चीन पर अत्यधिक फोकस या चीन के प्रति नाराजगी भारतीयों की व्यग्रता को दर्शाता है। भारत खुद को दक्षिण एशिया में नंबर वन मानता है लेकिन इस इलाके में अन्य देशों के प्रभाव को बढ़ते हुए नहीं देखना चाहता है।

भारतीय अवसरवादी मानसिकता से ग्रसितः ग्लोबल टाइम ने कहा कि भारतीय अवसरवादी मानसिकता से ग्रसित हैं। कई भारतीय यह सोचते हैं कि अमेरिका और चीन के बीच प्रतिद्वंद्विता से भारत को फायदा होगा। चीनी मीडिया संस्थान ने आरोप लगाया कि भारतीय मीडिया पश्चिमी देशों के प्रभाव में है और इससे उसे कोई फायदा नहीं होने जा रहा है। ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि पश्चिमी देश चाहते हैं कि भारत और चीन के बीच कटुता बढ़े और भारतीय मीडिया दोनों देशों के बीच गलतफहमी पैदा कर रहा है।

चीन के सरकारी समाचार पत्र ने कहा कि भारत और चीन के बीच काफी समानताएं हैं और मतभेद भी हैं। यह अत्यवाश्यक है कि दोनों देश मतभेदों को समाहित करने का रास्ता तलाश करें। वैश्चिक शक्ति संतुलन अब एशिया की तरफ हो गया है और भारत और चीन के बीच एक सहयोगी संबंध इस क्षेत्र में उनके प्रभाव को बढ़ाएगा। हालांकि अगर विवाद हुआ तो दोनों देश पश्चिमी देशों की ओर से शोषित होंगे।

ट्रम्प पर सवाल, कनाडाई पीएम का जवाब वायरल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

टोरंटो। अश्वेत–अमेरिकन की मौत के बाद शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया है। यहां तक कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सेना को तैनात कर दिया है। इस बीच जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से इस बारे में सवाल किया गया तो जैसे उनके पास जवाब ही नहीं था। ट्रूडो ने अमेरिका में हिंसा के सवाल पर जवाब देने से पहले कम से कम 20 सेकंड तक चुप्पी बनाए रखी। यही नहीं, उन्होंने जवाब में डोनाल्ड ट्रंप का नाम तक नहीं लिया।

लंबी चुप्पी के बाद ट्रूडो ने कहा, अमेरिका में जो हो रहा है, उसे हम सब डर और

अमेरिका को नाराज करने से बचते हैं ट्रूडो का नाम

आतंक में देख रहे हैं। यह वक्त लोगों को साथ लाने का है, सुनने का है। यह समय सीखने का है, जब विकास के सालों–दशकों बाद भी नाइंसाफी होती रहती है।

उन्होंने कहा, कनाडा के लोगों को ऐसी सरकार चाहिए जो उनके लिए हो, जो उन्हें सपॉर्ट करे और जो सही दिशा में आगे लेकर जाए और मैं यह करूंगा। दरअसल, ट्रूडो अमेरिका की राजनीति या ट्रंप पर सीधे बयान देने से बचते हैं। वह कनाडा के सबसे बड़े ट्रेडिंग पार्टनर के साथ कूटनीतिक संबंध सरल रखना चाहते हैं।

पाकिस्तान में नेवल बेस की तैयारी में चीन?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। एक ओर जहां भारत की लद्दाख सीमा पर चीन का रवैया आक्रामक होता जा रहा है, वहीं दूसरी ओर दक्षिण चीन सागर में अमेरिका के सामने भी चुनौती पेश करने की फिराक में है। यही नहीं, अब पाकिस्तान के सहारे हिंद महासागर में पैठ जमाने की कोशिश करता दिख रहा है। पाकिस्तान के ग्वादर में चीन के नेवल बेस के संकेत मिले हैं और माना जा रहा है कि इस बेस के बनने से हिंद महासागर में चीन की मजबूती बढ़ जाएगी। हालिया सैटलाइट तस्वीरों से पता चला है कि पिछले कुछ सालों में यहां कई नए कॉम्प्लेक्स बने हैं। इनमें से एक पोर्ट डिवेलपमेंट करने वाली एक चीनी कंपनी है जहां सिक्यॉरिटी कुछ ज्यादा ही है।

भारतीय मूल का हीरो जिसने हिंसा के बीच अपने घर में दर्जनों को दी पनाह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका में अश्वेत अमेरिकन George Floyd की मौत के बाद सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों के लिए भारतीय मूल का एक शख्स किसी मसीहा की तरह सामने आया है। वॉशिंगटन में सोमवार की रात कर्फ्यू के बाद प्रदर्शन कर रहे कम से कम 60 'Black Lives Matter' प्रदर्शनकारियों को राहुल दुबे ने अपने घर में ठहराया। इन लोगों को गिरफ्तारी से बचाने के लिए राहुल ने अपने घर के दरवाजे खोल दिए।

अपनी चिंता नहीं, दूसरों का रखा ध्यानः राहुल ने बताया कि जब प्रदर्शनकारी उनके घर में आगे के दरवाजे से दाखिल हो

रहे थे, पुलिस सिर्फ दो घर दूर थी। 22 साल के एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि दुबे ने अपनी चिंता नहीं कि और बाकी लोगों को सुरक्षित रखा। वह इन लोगों को अधिकारों के बारे में बताते रहे और रातभर उनका मनोबल बढ़ाते रहे। दुबे से जब हिंसा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी सम्मान के साथ ही विरोध कर रहे थे। उन्होंने कहा, वह अपने हाथ खोलकर हमें जाने दीजिए ही दोहरा रहे थे।

सिर्फ प्यार थाः इन प्रदर्शनकारियों पर पेपर स्प्रे किया गया था और राहुल के घर के अंदर जाने के करीब 10 मिनट तक वे खांसते रहे और अपनी आंखें मलते रहे। बचने के लिए भाग रहे कई लोग सीढ़ियों पर गिर भी गए लेकिन सबने एक–दूसरे को सहारा दिया। दुबे ने कहा कि पुलिस ने कई बार उनके घर में आने की कोशिश की।

हर बार दुबे ने पुलिस से कहा कि उनके घर में प्रदर्शनकारियों का स्वागत है। उन्होंने कहा, वहां काफी प्रेम था। अंधेरे की भगदड़ में, रात के 3 बजे जब लोगों को सोना चाहिए था लेकिन वे सोए नहीं, सिर्फ प्यार था। और यह बहुत खूबसूरत था।

रूस में खून चूसने वाले पिस्सू का कहर, अस्पतालों से खत्म हुई वैक्सीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। कोरोना वायरस से बेहाल रूस में अब खून पीने वाली किलनी या पिस्सू ने कहर मचा दिया है। जानवरों के शरीर पर जिंदा रहने वाले किलनी के इस म्यूटन्ट रूप ने रूस में इतने ज्यादा लोगों को काटा है कि अस्पतालों से वैक्सीन ही खत्म हो गई है। रूस के सुदूरवर्ती इलाके साइबेरिया में किलनी के काटने के मामले में 428 गुना की बढ़ोत्तरी देखी गई है। रूसी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक किलनी के मामलों की यह संख्या बेहद असामान्य है। इस बीच वैज्ञानिकों ने कथित रूप से यह पता लगाया है कि यह किलनी मकड़ी का एक म्यूटन्ट रूप है जो रूस में पाए जाने वाली किलनी का सबसे खराब किलनी में से एक है। इन घातक किलनियों के काटने के इतने ज्यादा मामले साइबेरिया से आ रहे हैं कि अस्पतालों में वैक्सीन और दवाएं खत्म हो गई है। यह हालत तब है जब साइबेरिया में बेहद कम आबादी हैं। इन किलनियों के काटने से इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी हो सकती है। वर्ष 2015 में इंसेफेलाइटिस से 1,50,000 लोग मारे गए थे। इन मरीजों को न तो दवा मिल पा रही है और न वैक्सीन।